



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 18] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 18, 2012/पौष 28, 1933

No. 18] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 18, 2012/PAUSA 28, 1933

कारपोरेट कार्य मंत्रालय  
(कंपनी विधि बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 जनवरी, 2012

सा.का नि. 32(अ).—कंपनी विधि बोर्ड, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 10ड की उप-धारा (5) और उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कंपनी विधि बाई विनियम, 1991 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम कंपनी विधि बाई (संशोधन) विनियम, 2012 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. कंपनी विधि बोर्ड विनियम, 1991 के नियम 30 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् —

“30 अभिलेखों का निरीक्षण और प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति.—(1) किसी लूबित मामले के अभिलेख का पक्षकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों को निरीक्षण और उनकी प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति का, लिखित में आवेदन करने पर और मामले के दस्तावेजों के निरीक्षण के लिए पचास रुपए प्रतिदिन की और क्रमशः आदेश या किसी अन्य दस्तावेज की प्रमाणित प्रतियों के लिए दस रुपए प्रति पृष्ठ की दर से फीस का सदाय करने पर, अधिकार होगा और अभिलेख का निरीक्षण मार्मले की प्रमाणित प्रति की आपूर्ति के लिए पूर्व अपेक्षा होगी।

(2) आवेदक आवेदन में सुभिन्न रूप से किसी मामले के अभिलेख को विनिर्दिष्ट करेगा जिसके निरीक्षण या प्रमाणित प्रतियों की वाढ़ी की गई है और आवेदन या तो फाइलिंग पटल पर किया जा सकेगा या डाक द्वारा कंपनी विधि बोर्ड की सबधित न्यायाधीश का अपक्षित फीस के माथ भेजा जा सकेगा।

(3) कोई व्यक्ति जो कार्यवाहियों में पक्षकार नहीं है, को तथापि निरीक्षण या किसी लूबित मामले के अभिलेखों की प्रमाणित प्रतियों सिवाय उम्म पक्षकार की सहमति के जिसने मामला फाइल किया है या न्यायाधीश के आदेशों के अधीन, अभिप्राप्त करने का अधिकार नहीं है।

(4) अभिलेख का निरीक्षण उसकी सुनवाई के लिए नियत तारीख को न्यायाधीश के आदेश के बिना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(5) किसी आवेदन की प्राप्ति के पश्चात् क्रमशः दो कार्य दिवसों के भीतर निरीक्षण अनुज्ञात किया जाएगा और प्रमाणित प्रतियों की आपूर्ति तीन कार्य दिवसों के भीतर की जाएगी।”

[फा स 10/36/2001-सीएलबी]

कंपनी विधि बोर्ड के आदेश द्वारा,

पी. क. मलहोत्रा, सचिव, कंपनी विधि बोर्ड

टिप्पण.—मूल विनियम संकानि 291(अ), तारीख 31 मई, 1991 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और सा का नि. 682(अ), तारीख 15 सितम्बर, 2011 द्वारा अंतिम संरोधन किए गए थे।

### MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS

#### (Company Law Board)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th January, 2012

**G.S.R. 32(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) and sub-section (6) of Section 10E of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby makes the following regulations further to amend the Company Law Board Regulations, 1991, namely.—

1. (1) These regulations may be called the Company Law Board (Amendment) Regulations, 2012

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the Company Law Board Regulations, 1991, for regulation 30, the following shall be substituted, namely—

“30. **Inspection of record and supply of certified copies.**—(1) The record of a pending case shall be open, as of right, to the inspection and supply of the certified copies thereof to the parties or their authorised representatives, on making an application in writing and on payment of a fee of fifty rupees per day for inspection of documents of a case and ten rupees per page for supply of certified copies of order or any other document respectively and the inspection of record shall be pre-requirement for supply of certified copy of a case

(2) The applicant shall distinctly specify in the application, the record of a case for which inspection or certified copies are desired and the application may either be presented at the filing counter or may be sent by post at the address of the concerned Company Law Board Bench along with the requisite fees

(3) A person, who is not a party to the proceedings, has, however, no right to inspect or to obtain certified copies of the records of a pending case except with the consent of the party who has filed the case or under the orders of the Bench

(4) The inspection of record shall not be permitted on the date fixed for its hearing without the order of the Bench

(5) After receipt of an application, the inspection shall be allowed within a period of two working days and certified copies shall be supplied within a period of three working days respectively”

[F No 10/36/2001-CLB]

By Order of the Company Law Board,

P K. MALHOTRA, Secy Company Law Board

**Note.**—The principal regulations were published *vide* number G.S.R. 291(E), dated 31st May, 1991 and were last amended *vide* number G.S.R. 682(E), dated the 15th September, 2011